दैनिक
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665

अंक 02/69 | जयपुर | 29 मार्च/2025 | शनिवार | मूल्य रु. 5 | पृष्ठ: 04

मुख्यमंत्री ने 10 हजार करोड़ की योजनाएं लॉन्च कीं: राजस्थान के सरकारी हॉस्पिटलों में अब ऐप से मिलेगा डॉक्टर का अपॉइंटमेंट

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा की धरती से शुक्रवार को सीएम भजनलाल ने 10 हजार करोड़ के शिलान्यास और लोकार्पण कर सौगातें दीं। खास बात ये है कि राजस्थान के सरकारी हॉस्पिटलों में अब कतारें नहीं लगेंगे। घर बैठे मोबाइल से डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लिया जा सकेगा। जयपुर के दो हॉस्पिटल कांवटिया (शास्त्रीनगर) और जयपुरिया (मालवीयनगर) से शुक्रवार को चिकित्सा ऐप योजना की शुरुआत हुई। भीलवाड़ा के चित्रकूट धाम (नगर निगम) में हुए विकास एवं सुशासन उत्सव कार्यक्रम में आज मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर योजनाएं लॉन्च कीं। इस मौके पर डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा और विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी उनके साथ रहे। सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम हुआ और लाभार्थी वीसी के जरिए जुड़े।

मुख्यमंत्री के भाषण की 7 प्रमुख बातें...

1. चिकित्सा ऐप लॉन्च, हॉस्पिटल में कतारों से मुक्ति

सीएम ने कहा- स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए आज चिकित्सा ऐप लॉन्च किया है। सरकारी हॉस्पिटल में अब लंबी कतार नहीं लगेगी। आप इस ऐप के जरिए घर बैठे अपने मोबाइल से डॉक्टर का अपॉइंटमेंट ले सकते हैं। कई घंटों इंतजार करने की जरूरत नहीं है। सरकारी हॉस्पिटल मे भी सुविधाओं को बेहतर किया जा रहा है। जयपुर के राजकीय कांवटिया (शास्त्रीनगर) और राजकीय जयपुरिया (मालवीयनगर) हॉस्पिटल से योजना की शुरुआत हो रही है।

इसके अलावा सीएम ने फायर एनओसी प्रक्रिया को सुगम बनाने, राशन की दुकानों के साथ अन्नपूर्णा भंडार बनाने, हरित अरावली विकास परियोजना, जिलों में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट बनाने का जिक्र किया। राजीविका से जुड़ी महिलाओं का जिक्र किया।

2. ईआरसीपी 17 जिलों के लिए साबित होगी वरदान

मुख्यमंत्री ने कहा- ईआरसीपी के नाम पर कांग्रेस ने राजनीति की। हमने सत्ता में आते ही ईआरसीपी को धरातल पर उतारा। 17 जिलों के लिए यह योजना वरदान साबित होगी। 4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। जल जीवन मिशन में हम तेजी ला रहे हैं। पानी की जरूरत पर सरकार गंभीर है।

3. राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के एमओयू, धरातल पर उतरने लगे

सीएम ने कहा- राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए। कांग्रेस ने जाती हुई सरकार में इन्वेस्टमेंट समिट किया। हमने आते ही एक साल में यह किया। उन्हें जनता को दिखाना था, हमें करना है इसलिए पहले साल में हमने राजस्थान राइजिंग समिट किया। मार्च में 3 लाख करोड़ के काम धरातल पर उतर आएंगे।

4. पत्रकार हेल्थ कवरेज स्कीम लॉन्च

सीएम ने कहा पत्रकार प्रजातंत्र चौथा स्तंभ हैं। पत्रकारों का काम कठिन है। कठिन हालात में वे दायित्व निभाते हैं। आज से पत्रकार हेल्थ कवरेज का शुभारंभ किया है। पत्रकारों को बधाई। इस योजना से पत्रकार स्वास्थ्य पर होने वाले आकस्मिक खर्च की चिंता से मुक्त होंगे।

5. गांव बीपीएल मुक्त, शहरों में पंच गौरव- सीएम ने कहा- बजट में हमने पंडित दीनदयाल शहरी विकास योजना का जिक्र किया था। आज विकास कार्यों के निर्देश जारी किए हैं। एसडीएमओ को गांव के दौरे का रूटीन बनाने के निर्देश दिए हैं। कहा है कि गांवों में जाओ किसान की समस्या गांव में जाकर जानो। 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्त गांव बनाएंगे। इसके लिए 300 करोड़ का प्रावधान किया है।

शहरों को भी सुविधाजनक बना रहे हैं। पंच गौरव स्कीम का लोकार्पण किया है। सभी नए जिलों में पंच गौरव चिह्नित किए जाएंगे और उनको आधार बनाकर जिलों का विकास किया जाएगा। ये पंच गौरव जिले की ताकत बनेंगे। 5 गौरव बुकलेट आज जारी की है। जिलों में स्थानीय क्षमता से रोजगार के मौके सृजित होंगे, विकास की प्रतिस्पर्धा होगी। आज डेलिगेशन ऑर्डर जारी किए हैं। स्थानीय निकाय सशक्त होंगे।

◆ ब्रीफ बॉक्स

सीजेआई से मिले 6 हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन के पदाधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर करने के फैसले पर पुनर्विचार हो सकता है। 6 हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन के पदाधिकारी गुरुवार को दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना से मिले और तबादला पर विचार करने की मांग की। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि सीजेआई से मुलाकात कर अपनी मांग रखी है। उन्होंने कहा है कि जस्टिस वर्मा के तबादले की कॉलेजियम की सिफारिश को वापस लेने की मांग पर विचार करेंगे।

राजस्थान की गर्म हवाओं से मप्र का पारा 40 डिग्री पार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान समेत पश्चिम राज्यों से आ रही गर्म हवाओं ने मप्र का पारा बढ़ा दिया है। प्रदेश के कई हिस्सों में गर्मी का असर देखने को मिला। 6 जिलों में पारा 40 डिग्री पार पहुंच गया। राजधानी भोपाल में इस सीजन में पहली बार तापमान 38.8 डिग्री पर पहुंचा गया। इधर राजस्थान में भी अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। हालांकि, एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ के चलते सीमावर्ती जिलों में तेज आंधी के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

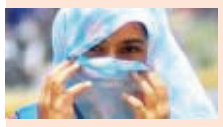

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले- सत्ता के बिना विचारधारा नहीं ला सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी विचारधारा मजबूत है, लेकिन हम इसे सत्ता के बिना लागू नहीं कर सकते। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में 100 सीट मिलीं, अगर हमने और मेहनत की होती तो 20-30 सीट और जीतकर सरकार बना सकते थे। इस बैठक में देशभर के 13 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों से कांग्रेस के जिला अध्यक्षों ने हिस्सा लिया।

हाईकोर्ट बोला- वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के अधिकारों का हनन

बिलासपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पत्नी की वर्जिनिटी टेस्ट कराने की मांग को महिलाओं की गरिमा के मौलिक अधिकारों का हनन बताया है। टेस्ट की मांग को असंवैधानिक बताते हुए पति की याचिका खारिज की गई है। दरअसल, पति अपनी पत्नी के कैरेक्टर पर शक करता था। वहीं पत्नी ने पति पर नपुंसक होने का आरोप लगाया। जिसके बाद पति ने पत्नी की वर्जिनिटी टेस्ट की मांग की और मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा।

मेरठ पुलिस की चेतावनी- सड़क पर नमाज बर्दाश्त नहीं की जाएगी

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। यूपी सरकार ने सख्त हिदायत दी है कि ईद की नमाज सड़कों पर न पढ़ी जाए। इस आदेश का पालन करने के लिए पुलिस अलर्ट है। संभल, बलिया और मेरठ में पुलिस ने अलग से एडवाइजरी जारी की है। मेरठ पुलिस ने कहा, किसी भी स्थिति में सड़क पर नमाज बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पासपोर्ट जब्त कर लिए जाएंगे। लाइसेंस रद्द किया जाएगा। लेकिन, मेरठ पुलिस का यह आदेश एनडीए में सहयोगी और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को ठीक नहीं लगा। उन्होंने पुलिस आदेश की तुलना ऑरवेलियन 1984 की पुलिसिंग से की है।

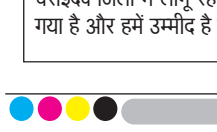

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा-

राज्यों से अपील है... एमएसपी से नीचे नहीं खरीदी जाएं फसलें

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र द्वारा घोषित एमएसपी से कम कीमत पर कृषि उपज की खरीद न हो। उन्होंने कहा कि अगले चार वर्षों (2028-29) तक तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की उपज का 100 प्रतिशत एमएसपी पर खरीदा जाएगा, जिससे किसानों को अधिक आय सुनिश्चित हो सके और देश दालों में आत्मनिर्भरता हासिल कर सके। किसान हितैषी मोदी सरकार ने किसानों की बेहतरी के लिए लगातार काम करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत एमएसपी पर किसानों से उपज खरीदने की घोषणा की है।

राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल बोले-

47 राजनीतिक दलों में से 32 वन नेशन वन इलेक्शन के पक्ष में

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर क्या कुछ हो रहा है। इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की क्या राय है, आम लोगों ने क्या कहा है, आदि बातों को लेकर गुरुवार को राज्यसभा में सात सांसदों ने सवाल पूछा। विधि और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया, हितधारकों के साथ व्यापक विचार विमर्श करने के बाद जो रिपोर्ट मिली है, उसमें 47 राजनीतिक दलों ने फीडबैक दिया है। इसमें 32 दलों ने सहमति दी और। ईमेल से भी लोगों की प्रतिक्रियाएं मांगी गई। इसमें 83 प्रतिशत लोगों ने वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन किया है।

लोकसभा में आव्रजन विधेयक पारित

देश धर्मशाला नहीं, आने वालों पर नजर रखेंगे: अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल 2025 पर चर्चा के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने बिल के प्रावधानों पर विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारत में आने के लिए वैध पासपोर्ट, वैध वीजा अनिवार्य होगा। बिना कागजात के भारत में प्रवेश करने पर कानून सम्मत तरीके से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्री ने सख्ती से कहा, जाली दस्तावेजों के लिए कड़ी सजा के प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वीजा की अवधि खत्म होने पर भी देश में रहने वालों को ट्रैक किया जाएगा।

दुनिया की सबसे सूक्ष्म अल्पसंख्यक आबादी भारत में सुरक्षित

सरकार के पास दस्तावेजों की जांच का पूरा अधिकार है... शाह ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया और कहा कि जिस तरह के सवाल पूछे गए हैं, उनसे काफी हैरानी होती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने भाजपा को वोट दिया। हमने बहुमत की सरकार बनाई है। ऐसे में सरकार के पास विदेशी लोगों की घुसपैठ, भारत आने वाले लोगों के पास वैध कागजात हैं या नहीं, इसकी जांच करने का पूरा अधिकार है। गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के बाद गुरुवार शाम करीब 6.20 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विधेयक पारित होने का एलान किया। पहले स्पीकर बिरला ने विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों पर मतदान की औचारिकताएं पूरी कीं। विपक्षी सांसदों की तरफ से परेश अधिकांश संशोधन खारिज हो गए।

घुसपैठ मामले में पश्चिम बंगाल सरकार पर गंभीर आरोप

विधेयक पारित होने से पहले लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, इमिग्रेशन कोई आइसोलेटेड मुद्दा नहीं है। देश की सीमा में कौन आता है, कब आता है, कितनी अवधि तक आता है और किस उद्देश्य से आता है, यह जानने का अधिकार देश की सरकार के पास है। ऐसा करना सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। पश्चिम बंगाल में 2026 का विधानसभा चुनाव जीतने का दावा करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि 450 किलोमीटर की सीमा राज्य सरकार की कृपादृष्टि के कारण अभी तक असुरक्षित है, लेकिन ऐसा लंबे समय तक नहीं चलेगा। शाह ने कहा कि वे खुद 10 बार पत्र भेजकर राज्य सरकार से अपील कर चुके हैं, लेकिन सहयोग नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठ करने वाले रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोगों के प्रति सहानुभूति रखती है, उन्हें आधार कार्ड दिए जाते हैं। इन कारणों से देश की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं।

'मुझे संसद में कभी बोलने नहीं दिया जाता...'

राहुल ने दोहराया आरोप, विपक्षी नेताओं ने स्पीकर से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि उन्हें संसद में बोलने की कभी अनुमति नहीं दी जाती है। इसी बीच इंडिया ब्लॉक के कई नेताओं ने अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर कांग्रेस नेता को पिछले दिन सदन में बोलने का अवसर नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाया। संसद भवन परिसर में सदन को गैर-लोकतांत्रिक तरीके से चलाए जाने के अपने आरोपों के बारे में पत्रकारों के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, भाई मुझे कभी बोलने की अनुमति नहीं दी जाती...मुझे नहीं पता कि वे किस बात से डरे हुए हैं।

विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष से की शिकायत

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने बताया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, केरल कांग्रेस, आरजेडी, आईयूएमएल, आरएलपी और एमडीएमके समेत कई दलों के नेताओं ने स्पीकर से मुलाकात की और इस मुद्दे पर अपनी सामूहिक चिंता और निराशा जाहिर की। गौरव गोगोई ने कहा, बुधवार को स्पीकर ने राहुल गांधी का नाम लिया, लेकिन जब उन्होंने बोलने की कोशिश की, तो सदन स्थगित कर दिया गया। यह पूरी देश ने देखा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा की आईटी सेल इस मामले को गलत तरीके से प्रचारित कर रही है।

महाराष्ट्र विधान परिषद में कॉमेडियन कामरा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस, सभापति ने स्वीकार किया

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने कहा कि उन्होंने गद्दार टिप्पणी को लेकर कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस स्वीकार कर लिया है।

बता दें कि कामरा ने इस पूरे प्रकरण में माफी मांगने से इनकार कर दिया है। इससे भड़की सत्ताधारी पार्टी शिवसेना और खुद एकनाथ शिंदे ने भी कहा है कि व्यंग्य का अधिकार सबके पास है, लेकिन मर्यादा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। शिंदे ने ये भी कहा था कि हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती ही है।

कठुआ और बिलावर के पहाड़ी इलाकों में सेना ने आतंकियों को घेरा

2 आतंकवादी ढेर; डीएसपी समेत 5 घायल

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच गुरुवार को मुठभेड़ हुई, जिसमें दो आतंकी मारे गए। तीन आतंकियों की तलाश जारी है। डीएसपी धीरज सिंह समेत पांच सुरक्षाकर्मी घायल हैं।

सभी को जम्मू मेडिकल कॉलेज (जेएमसी) रेफर किया गया है। जुठाना इलाके में 4-5 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया, इस दौरान फायरिंग शुरू हो गई।

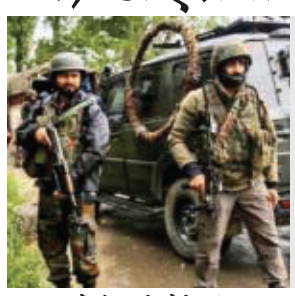

कुछ दिन पहले भी हुई थी मुठभेड़...

इससे पहले सोमवार को कठुआ के हीरानगर सेक्टर में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। तब आतंकियों ने एक बच्ची और उसके माता-पिता को पकड़ लिया था। मौका मिलने पर तीनों आतंकियों के चंगुल से भाग निकले थे। इस दौरान बच्ची की मामूली चोटें आई थीं। आतंकी भी भाग निकले थे।

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या की जमानत अर्जी खारिज

बेंगलुरु, एजेंसी

गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव की जमानत याचिका गुरुवार को बेंगलुरु की सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी। यह तीसरी बार है, जब कोर्ट ने रान्या को जमानत देने से इनकार किया है। इससे पहले 12 और 14 मार्च को दो बार कोर्ट ने रान्या को जमानत नहीं दी थी।

असम के डिब्रूगढ़ से हटाया गया अफस्पा, अब राज्य के सिर्फ तीन जिलों में लागू

गुवाहाटी, एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को घोषणा की कि सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को डिब्रूगढ़ जिले से हटा लिया गया है, और अब यह राज्य के केवल तीन जिलों में लागू है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम सरमा ने कहा कि अब यह कानून राज्य के केवल तीन जिलों में लागू है। यह कानून सुरक्षा बलों को बिना पूर्व वारंट के किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। यह सुरक्षा बलों को कुछ स्तर की प्रतिरक्षा भी देता है यदि कोई ऑपरेशन गलत हो जाता है।

क्या बोले सीएम... सरमा ने कहा, हमने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से डिब्रूगढ़ से अशांत क्षेत्र का टैग हटाने का अनुरोध किया था क्योंकि हम इसे राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमारी बात सुनी और केंद्र द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है।

32 जिलों से अफस्पा लिया... मुख्यमंत्री ने कहा, अब अफस्पा तिनसुकिया, शिवसागर और चराइदेव जिलों में लागू रहेगा। उन्होंने आगे कहा, राज्य के 32 जिलों से अफस्पा वापस ले लिया गया है और हमें उम्मीद है कि इसे जल्द ही बाकी तीन जिलों से भी वापस ले लिया जाएगा।

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2025: टॉप-10 अमीरों की लिस्ट से अंबानी बाहर

दुनिया में एलन मस्क, एशिया में मुकेश अंबानी सबसे अमीर शख्स

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछले साल की तुलना में कर्ज बढ़ने के कारण मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इसके कारण वे दुनिया के शीर्ष 10 सबसे अमीर लोगों की सूची से बाहर हो गए हैं। हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2025 में यह जानकारी दी गई है। इस लिस्ट के अनुसार टेस्ला के सीईओ एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स बने हुए हैं। उनकी कुल संपत्ति में 82 प्रतिशत या 189 बिलियन डॉलर की आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है और यह 420 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई।

लिस्ट के अनुसार अंबानी भले ही दुनिया के 10 सबसे अमीर लोगों की लिस्ट का हिस्सा बनने से चूक गए पर वे अब भी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति है। लिस्ट मके अनुसार रिलायंस समूह के चेयरमैन की संपत्ति में कमी आई है क्योंकि रिलायंस इंडस्ट्रीज को अपने ऊर्जा और खुदरा कारोबार में खराब प्रदर्शन से जूझना पड़ा है। धीमी बिक्री वृद्धि और ऋण को लेकर निवेशकों की चिंताओं ने समूह की समस्याओं को और बढ़ा दिया है। कंपनी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म, नवीकरणीय ऊर्जा और खुदरा कारोबार के विस्तार की ओर कदम बढ़ाए हैं, जिसमें धीमी प्रगति का उनकी संपत्ति पर असर पड़ रहा है।

भारत के सबसे अमीर लोगों में अदाणी दूसरे नंबर पर

भारत के सबसे अमीर लोगों की बात करें तो हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2025 में मुकेश अंबानी के बाद गौतम अदाणी का नंबर है। उनकी कुल संपत्ति में पिछले एक साल में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की प्रभावशाली वृद्धि हुई है। अदाणी ने कमोडिटी ट्रेडर के रूप में शुरुआत करने के बाद अपना साम्राज्य खड़ा किया और अपने समूह को नई ऊंचाइयों पर ले गए। अदाणी समूह देश के बंदरगाहों, बिजली उत्पादन, हवाई अड्डों, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा, मीडिया और सीमेंट में कारोबार से जुड़ा है। हुरुन की लिस्ट के अनुसार सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के दिलीप सांघवी की संपत्ति 21 प्रतिशत बढ़कर 2.5 लाख करोड़ रुपये हो गई, जिससे वे भारत सबसे अमीर लोगों की सूची में पांचवें स्थान पर आ गए।

महिलाओं में रोशनी नादर दुनिया की पांचवीं सबसे अमीर महिला...

दूसरी ओर, एचसीएल की रोशनी नादर जिनके परिवार की कुल संपत्ति 3.5 लाख करोड़ रुपये है, दुनिया की पांचवीं सबसे अमीर महिला बन गईं हैं। दुनिया की शीर्ष 10 अमीर महिलाओं में जगह बनाने वाली वह पहली भारतीय महिला हैं। उनके पिता शिव नादर ने हाल ही में एचसीएल में 47 प्रतिशत हिस्सेदारी उन्हें हस्तांतरित कर दी थी।

चिंतन

चालू खाता घाटा बढ़ने का पड़ेगा नकारात्मक असर

बेशक भारत तेज जीडीपी दर वाला देश हो, लेकिन आर्थिक संकेतक चेतावनी दे रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश का चालू खाता घाटा मौजूदा वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बढ़कर 11.5 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 1.1 प्रतिशत हो गया। चालू खाते के घाटे (कैड) में वृद्धि का मुख्य कारण व्यापार घाटे का अधिक होना है। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 10.4 अरब डॉलर (सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का 1.1 प्रतिशत) था। राजस्व घाटे में भी लगातार वृद्धि हुई है। उद्योग जगत से भी चिंताजनक आंकड़े आए हैं। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में घटकर पांच महीने के निचले स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गयी। पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रही थी। मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर जनवरी में दर्ज 5.1 प्रतिशत की वृद्धि से कम रही। इससे पहले सितंबर में 2.4 प्रतिशत की न्यूनतम वृद्धि दर्ज की गई थी। फरवरी में कच्चा तेल तथा प्राकृतिक गैस उत्पादन की वृद्धि में गिरावट आई। आठ प्रमुख क्षेत्र (क्रूड ऑयल, प्राकृतिक गैस, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट, उर्वरक, इस्पात व बिजली) औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत का योगदान करते हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये कमजोर होते जा रहे हैं, शेयर बाजार में उठापटक जारी है। सोने पर भारी दबाव है, पिछले दो तिमाही से जीडीपी दर सिकुड़ रही है, ऐसे में सरकार के लिए आर्थिक मोर्चे पर स्थिति जल्द संभालने की आवश्यकता है। चालू खाता घाटा (करेंट अकाउंट डेफिसिट-कैड) बढ़ने से अर्थव्यवस्था पर कई तरह के नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं, जैसे कि मुद्रा की कीमत में गिरावट, विदेशी निवेश में कमी, और ऋण स्तर में वृद्धि आदि। चालू खाता घाटा लगातार बना रहने पर सरकार को इसका वित्तपोषण करना पड़ता है और ऋण लेना पड़ता है। साथ ही कैड बढ़ने देश में आर्थिक संकट का संकेत मिलता है, जिसका अर्थ है कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां देश की रेटिंग घटा सकती हैं। कैड में व्यापार खाता (वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात और निर्यात), सेवा खाता (सेवाओं का आयात और निर्यात) और विदेश से शुद्ध आय (जैसे कि प्रेषण) शामिल हैं। चालू खाता घाटा की स्थिति तब होती है जब किसी देश के वस्तु और सेवाओं के आयात का मूल्य उसके निर्यात से अधिक होता है। कैड बढ़ने का असर विकास पर पड़ता है, क्योंकि यह राष्ट्रीय निवेश और बचत से निकटता से जुड़ा हुआ है। यह विनिमय दरों को प्रभावित करता है और इस प्रकार किसी अर्थव्यवस्था की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को भी प्रभावित करता है। विदेशी मुद्रा बाजार में रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप से भी कोई मदद नहीं मिल रही है। रुपये में गिरावट जारी है। कैड और राजकोषीय घाटा संयुक्त रूप से दोहरा घाटा है जो शेयर बाज़ार और निवेशकों को प्रभावित कर सकते हैं। कैड का बढ़ना देश में निवेश सेंटिमेंट को बढ़ाता है। हाल के महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसे निकाले हैं। पिछले कुछ महीनों से भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ा है, जिसका मतलब है हम निर्यात से अधिक आयात कर रहे हैं, यह स्थिति तब है जब सरकार मेक इन इंडिया व वोकल फोर लोकल अभियान चला रही है। व्यापार घाटा बढ़ने का ही नतीजा है कि केड बढ़ रहा है। आयात पर अंकुश लगाकर व निर्यात को बढ़ावा देकर सरकार चालू खाता घाटा को कम कर सकती है। भारत को ग्लोबल मार्केट में अपने लिए नए अवसर बनाने चाहिए।

विश्लेषण

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

देश में सहकारिता से आएगा बदलाव

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 पेश कर दिया और सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित भी कर दिया है। देश में निश्चय ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में गहरी सोच का अभाव था, स्वरोजगार और छोटी उद्यमिता के विकास में अरुचि थी। इससे न तो सामाजिक समावेशिता के लक्ष्य पूर्ण हो पा रहे थे और न ही नवाचार में हमारे युवाओं व वैज्ञानिकों के बीच सोच विकसित हो पा रही थी। भारत में नरेंद्र मोदी सरकार के बाद सहकारिता मंत्रालय की स्थापना एक दूरदर्शी लक्ष्य रहा है।

भारत में सहकारिता का यह स्वर्णिम काल है। इस समय देश के गृह मंत्री अमित शाह ने स्वयं सहकारिता आन्दोलन की बयार को तेज कर दिया है। देश में आजादी के बाद सहकारिता को लेकर किया जा रहा कार्य स्वर्णाक्षरों में अंकित हो रहा है, ऐसा कहा जाए तो कोई अतिश्योक्तिपूर्ण बात न होगी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 भी पेश कर दिया और सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया है। देश में निश्चय ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में गहरी सोच का अभाव था, स्वरोजगार और छोटी उद्यमिता के विकास में अरुचि थी। इससे न तो सामाजिक समावेशिता के लक्ष्य पूर्ण हो पा रहे थे और न ही नवाचार में हमारे युवाओं व वैज्ञानिकों के बीच सोच विकसित हो पा रही थी। भारत में नरेंद्र मोदी सरकार के बाद सहकारिता मंत्रालय की स्थापना एक दूरदर्शी लक्ष्य रहा है।

इस मंत्रालय की बागडोर सहकारिता में अभिरुचि रखने वाले नेता अमित शाह ने जब सम्हाली तो उन्होंने कम समय में बहुत कुछ कर दिखाया जिससे आज भारत का आम आदमी लाभान्वित हो रहा है। वस्तुतः भारत में सहकारिता में जनमानस की अपनी सहभागिता दिखती रही है। सहकारिता मंत्रालय बन जाने से इस क्षेत्र में फोकस होकर कार्य करने और उपलब्धियों को हासिल करने में बल मिला है। इससे जन सरोकार को बल मिला है और अच्छी बात यह है कि भारत के लोग अपने उद्यम, अपने श्रम और अपनी गरिमा को संयोजित व सुरक्षित करने लगे हैं। लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 पेश करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा भी कि सहकारिता एक ऐसा विषय है जो देश में हर परिवार को छूता है। हर गाँव में कोई न कोई ऐसी इकाई है जो सहकारिता के माध्यम से कृषि विकास, ग्रामीण विकास और स्वरोजगार के काम में जुटी हुई है और देश के विकास में योगदान करती है। आजादी के 75 वर्षों बाद आज देश को पहला सहकारिता विश्वविद्यालय मिल रहा है। इस विधेयक के पारित होने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी, स्वरोजगार और छोटी उद्यमिता का विकास होगा, सामाजिक समावेशिता बढ़ेगी और नवाचार तथा अनुसंधान में कई नए मानांक स्थापित करने के अवसर भी मिलेंगे। सबसे अहम् बात जो अमित शाह ने कही, वह यह कि इस प्रकार पूरे देश को सहकारिता की भावना से युक्त और आधुनिक शिक्षा से लैस एक नया सहकारिता नेतृत्व मिलेगा।

भारतीय समाज में सहकारिता की यह अलख जगाने की इच्छाशक्ति निःसंदेह प्रशंसनीय है और अनुकरणीय भी है। भारतीय जनमानस को स्वावलंबन देने व अपने संकल्प से देश को विकास पथ पर आगे ले जाने की दिशा में यह अमित शाह का कार्य है। उनकी इस विश्वविद्यालय को स्थापित करने के पीछे मंशा बहुत पवित्र है, सबसे महत्वपूर्ण यह है। वह इस कोऑपरेटिव क्षेत्र के विकास और विस्तारित करने की कोशिश में हैं। वह चाहते हैं कि प्रशिक्षित मानव संसाधन की जरूरत हमें पड़ेगी, उसकी भरपाई त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी से वह पूरा कर सकें। अमित शाह ने उम्मीद ही नहीं विश्वास व्यक्त किया है कि सहकारी यूनिवर्सिटी बनने के बाद इसके डिप्लोमा और डिग्री धारकों को नौकरी

मिलेगी। इस यूनिवर्सिटी से हम डोमेस्टिक के साथ ग्लोबल वैल्यू चैन में भी बड़ा योगदान करेंगे। न्यू एज कोऑपरेटिव कल्चर भी इस यूनिवर्सिटी से शुरू होगा। उनकी चिंता है कि देशभर में हजारों की संख्या में सहकारी शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान फैले हुए हैं, मगर इनके कोर्स में कोई मानकीकरण नहीं है। वह चाहते हैं कि इसे हम व्यवस्थित कर सकें। उन्होंने इसीलिए लोक सभा में विधेयक पेश करते हुए अपने ज़वाब में कहा कि हमने यूनिवर्सिटी बनने से पहले ही कोऑपरेटिव क्षेत्र की जरूरत को ध्यान में रखकर कोर्स डिजाइन का काम शुरू कर दिया है। यूनिवर्सिटी में डिग्री, डिप्लोमा कोर्स भी होंगे और पीएचडी की डिग्री भी दी जाएगी। साथ ही सहकारिता के क्षेत्र में काम कर सभी मौजूदा कर्मचारियों के लिए अल्पावधि का सर्टिफिकेट कोर्स भी होगा।

सहकारिता क्षेत्र को समर्पित देश का पहला विश्वविद्यालय आजादी के 75 साल बाद बनेगा और सोचिए कि जब उससे हमारे देश की युवा आबादी प्रशिक्षित होगी तो सहकारिता को बढ़ावा देने वाले लोग, सहकारिता की सोच को आगे बढ़ाने वाले बौद्धिक वर्ग को हम तैयार करेंगे। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह चाहते हैं कि प्रतिवर्ष लाखों युवा लोग डिप्लोमा, डिग्री या सर्टिफिकेट लेकर सहकारी आंदोलन में सम्मिलित हों। शाह ने कहा भी कि वे 18 वर्ष की आयु से कोऑपरेटिव से जुड़े रहे हैं और इसकी खूबियों और कमियों का अनुभव किया है। मोदी जी एक समृद्ध भारत की नींव डाल रहे हैं और यह विधेयक इसमें मजबूत स्ट्रक्चर प्रदान करेगा। त्रिभुवन दास पटेल की सोच थी कि सहकारी क्षेत्र में मुनाफा हर गरीब महिला तक पहुंचे, इसलिए यह यूनिवर्सिटी उनके नाम पर रखने का प्रस्ताव किया गया है। इस विश्वविद्यालय के बनने से निश्चय ही अमित शाह के अपने सहकारिता सोच व स्वप्न को साकार होते हुए भारत के लोग देखेंगे और उससे लाभान्वित होंगे। दुनिया में बहु-क्षेत्रीय स्वनिर्भर सहकारिता संगठन आगे आकर कार्य कर रहे हैं। सहकारिता क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली शिक्षण व कौशल निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन विश्व भर में किया जा रहा है। जैसा कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस विधेयक के माध्यम से सहकारी सिद्धांतों और सहकारी गतिविधियों का विस्तार होगा, कोऑपरेटिव क्षेत्र को नई प्रोद्योगिकी का फायदा होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। साथ ही अनुसंधान और नवाचार भी बढ़ेंगे और जमीनी स्तर पर कोऑपरेटिव क्षेत्र मजबूत भी होगा। त्रिभुवन दास जैसे महान व्यक्ति के नाम से जुड़े होने के कारण यह सहकारी यूनिवर्सिटी उच्च कोटि की यूनिवर्सिटी सिद्ध होगी। यह देश में बहुत अच्छे सहकारिता कर्मी देने का काम करेगी। यह उनका स्वाभाविक इच्छाशक्ति और अपनी आत्मशक्ति का प्रतिफल है। निःसंदेह अब त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय से सहकारी क्षेत्र को संगठनों की कार्यक्षमता में सुधार, प्रशिक्षित मानव संसाधनों से पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा। डिजिटल नवाचार के तहत सहकारी प्लेटफार्मों पर अनुसंधान, अंतरराष्ट्रीय मानकों पर सहकारी संस्थानों का निर्माण और नई फंडिंग योजनाओं के विकास के लिए वित्तीय रणनीतियों का सृजन होगा तो इससे देश ही विकास करेगा। अमित शाह ने अपने कम समय में जो प्रतिष्ठित अवदान विश्वविद्यालय के रूप में दिया है, उसका अभिनन्दन किया जाना चाहिए। यह सहकारिता के लिए नए नैरेटिव की स्थापना है। यह उनका भारत निर्माण की दिशा में किया जा रहा सद्प्रयास है। त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 भले ही अभी शुरू हो रहा हो, लेकिन आने वाले 2047 तक यह विश्वविद्यालय लाखों युवा सहकारी पैरोकारों को तैयार कर चुका होगा।

वर्ल्ड बाइपोलर डे

खुशी जिंदल

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना जरूरी

हम अक्सर शारीरिक बीमारियों के बारे में खुलकर बात करते हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करने से कतराते हैं। अगर कोई व्यक्ति डिप्रेशन या किसी अन्य मानसिक बीमारी से जूझ रहा हो, तो समाज उसे समझने की बजाय 'पागल' या 'अजीब' कहकर उसका आत्मविश्वास और भी गिरा देता है। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है, जबकि ये उतनी ही वास्तविक और गंभीर होती हैं जितनी कोई शारीरिक बीमारी। आज के समय में, जहां तनाव और चिंता हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं, मानसिक बीमारियों का बढ़ना स्वाभाविक है।

आज के दिन यानि 30 मार्च को "वर्ल्ड बाइपोलर डे" मनाया जाता है ताकि बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके और इस विषय पर खुलकर बात की जा सके। बाइपोलर डिसऑर्डर एक गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति के मूड में तीव्र और अनियमित बदलाव होते हैं। यह बदलाव हफ्तों या महीनों तक रह सकते हैं और व्यक्ति की रोज़मर्रा की ज़िंदगी, रिश्तों और कामकाज पर गहरा असर डाल सकते हैं। इस बीमारी में व्यक्ति के भावनात्मक अनुभव दो विपरीत दिशाओं में जा सकते हैं। एक समय पर वह अत्यधिक उत्साहित, ऊर्जावान और आत्मविश्वासी महसूस कर सकता है। इस दौरान व्यक्ति को कम सोने पर भी थकान महसूस नहीं होती और उसका दिमाग तेजी से विचारों से भरा रहता है। वह एक बात पूरी किए बिना दूसरी पर चला जाता है और अत्यधिक बातें करने लगता है। इस अवस्था में कई बार व्यक्ति बिना सोचे-समझे बड़े फैसले ले लेता है, जैसे बेवजह पैसे खर्च करना, तेज़ गाड़ी चलाना या जोखिम भरे काम करना। दूसरी अवस्था में व्यक्ति अत्यधिक उदास, अकेला और निराश महसूस करता है। उसे ऐसा लग सकता है कि उसकी ज़िंदगी में कुछ भी अच्छा नहीं है। पहले जिन चीज़ों में रुचि थी, उनमें अब कोई आनंद महसूस नहीं होता। व्यक्ति या तो बहुत ज़्यादा सोता है या बिल्कुल नहीं सो पाता। हर समय थकान और ऊर्जा की कमी बनी रहती है। नकारात्मक विचार हावी हो जाते हैं, यहां तक कि व्यक्ति आत्महत्या के बारे में भी सोच सकता है। अगर कोई व्यक्ति इनमें से कुछ लक्षण महसूस करता है या उसके आसपास कोई इनका अनुभव कर रहा है, तो उसे नजरअंदाज या तिरस्कार करने के बजाय एक अच्छे मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, जैसे कि साइकोलॉजिस्ट या साइकियाट्रिस्ट से संपर्क करना चाहिए। बाइपोलर डिसऑर्डर का सही इलाज संभव है और समय पर उपचार से व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है।

सबसे ज़रूरी यह है कि इस बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति को समाज से समर्थन और समझ मिले, न कि तिरस्कार। इसे नियंत्रित रखने के लिए कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए, नशे और शराब से बचें, क्योंकि ये लक्षणों को और बिगाड़ सकते हैं। समय पर डॉक्टर से सलाह लें। अपने परिवार और दोस्तों को अपनी स्थिति के बारे में बताएं ताकि वे सही समय पर सहायता कर सकें। नियमित दिनचर्या बनाए रखें, तनाव कम करें और पर्याप्त नींद लें। सबसे जरूरी बात, डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं को नियमित रूप से लें और बिना सलाह के बंद न करें। मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए सकारात्मक सोच, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद, संतुलित आहार और अपनों से बातचीत करना जरूरी है। ये आदतें न केवल तनाव को कम करती हैं, बल्कि गंभीर मानसिक बीमारियों, जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, से भी बचाने में मदद करती हैं। जब हम अपनी भावनाओं को समझते और नियंत्रित करते हैं, तो अचानक आने वाले मूड स्विंग्स, अत्यधिक उदासी या अतिउत्साह जैसी स्थितियों से बच सकते हैं। मानसिक बीमारियों को जितना जल्दी पहचाना जाए, उतना ही जल्दी सही इलाज संभव होता है। इस वर्ल्ड बाइपोलर डे पर हमें मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ानी चाहिए, क्योंकि यह भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है।

(लेखिका क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अहिंसा के प्रयोग

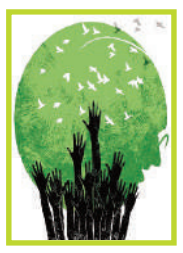

संकलित

दर्शन

हिंसा को किसी भी प्रकार से रोकना या इसके प्रभाव को कम करना, समाज का अनिवार्य कर्तव्य है। हिंसा अनेक तरह की हो सकती है। शारीरिक हिंसा के अतिरिक्त यह मानसिक, शाब्दिक या परोक्ष भी हो सकती है। ऐसी स्थितियां उत्पन्न कर देना, जिससे भय एवं आतंक की छाया में जीवन हर समय आशंकित हो, अव्यवस्थित हो- अप्रत्यक्ष हिंसा है। इसलिए प्रत्येक हिंसा का शमन ही मानव के लिए हितकारी है। हिंसा किसी पशु या अमानुष का विषय हो सकती है, परंतु मानव का धर्म कतई नहीं हो सकती। अहिंसा परमो धर्मः, यही सत्य वचन है। हिंसा किसी समस्या का हल नहीं है। अहिंसा सभी समस्याओं का हल है। लोगों के मन के भीतर प्रेम का बीज होता है, घृणा का फल नहीं। सावधानी से आदर्श व्यवहार का धैर्यपूर्वक पालन किया जाए तो विवाद की स्थिति नहीं आ सकती। किसी विवाद के उत्पन्न होने से शांति के लिए सदैव एक राह शेष रहती है, इस तथ्य को गांठ बांध लेना चाहिए।

वार्ता से रास्ता निकलता है। संवेदनहीनता से मानवता का मार्ग अवरुद्ध होगा। आप भगवान को मानें या न मानें, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे आपका महत्व अवश्य बढ़ेगा या घटेगा। इसी तरह प्रकृति के विषय में सार्थक सोच होना चाहिए। नैतिकता के पाठों में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। हिंसा तो मानवता के लिए विष के समान है। अहिंसा का प्रयोग करने वाले व्यक्ति शांति के सच्चे नायक हैं।

मूर्ख साधू और ठग

संकलित

प्रेरणा

किसी गाँव के मंदिर में देव शर्मा नाम का एक प्रतिष्ठित साधू रहता था। उसे अपने भक्तों से दान में तरह- तरह के वस्त्र, उपहार, खाद्य सामग्री और पैसे मिलते थे। उन वस्त्रों को बेचकर साधू ने काफी धन जमा कर लिया था। वह अपने धन को एक पोटली में रखता था और उसे हमेशा अपने साथ लेकर ही चलता था। उसी गाँव में एक ठग रहता था। ठग हमेशा साधू का पीछा किया करता था, लेकिन साधू उस गठरी को कभी अपने से अलग नहीं होने देता। उसने साधू से मिन्नत की कि वह उसे अपना शिष्य बना ले क्योंकि वह ज्ञान प्राप्त करना चाहता था। साधू तैयार हो गया और इस तरह से वह ठग साधू के साथ ही मंदिर में रहने लगा। ठग मंदिर की साफ सफाई से लेकर अन्य सभी कार्य भी करता था। एक दिन साधू को पास के गांव में एक अनुष्ठान के लिए आमंत्रित किया गया, साधू ने वह आमंत्रण स्वीकार किया और निश्चित दिन साधू अपने शिष्य के साथ अनुष्ठान में भाग लेने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में एक नदी पड़ी और साधू ने स्नान करने की इच्छा व्यक्त की। उसने पैसों की गठरी को एक कम्बल के भीतर रखा और उसे नदी के किनारे रख दिया। उसने ठग से सामान की रखवाली करने को कहा और खुद नहाने चला गया। ठग को तो कब से इसी पल का इंतज़ार था। जैसे ही साधू नदी में डुबकी लगाने गया, वह रुपयों की गठरी लेकर चम्पत हो गया। शिक्षाः किसी अजनबी की चिकनी चुपड़ी बातों में आकर ही उस पर विश्वास नहीं कर लेना चाहिए।

सटाका

आज की पाती

न्यायपालिका में सुधार की आवश्यकता

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक फैसले पर रोक लगा दी है। इससे रेप के मामले चर्चा में आ गए हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है जब न्यायपालिका के किसी फैसले ने विवाद खड़ा किया हो। इससे पहले भी कई ऐसे निर्णय सामने आए हैं, जिन्होंने यौन हिंसा से जुड़े मामलों में न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए हैं। कई बार पीड़ितों को न्याय मिलने में सालों लग जाते हैं और कई मामलों में फैसले इतने कमजोर होते हैं कि अपराधियों को इसका लाभ मिल जाता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि न्यायपालिका को यौन अपराधों के मामलों में अधिक जागरूक और संवेदनशील होने की जरूरत है। सिर्फ कानून की किताबों में लिखी धाराओं का पालन करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि इनका समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?

- प्रभात साहू, धमतरी

ट्रेंड

एकजुट होकर काम करेंगे

कर्नाटक के जिला कांग्रेस अध्यक्षों से मुलाकात की। वे पार्टी की विचारधारा की रक्षा और प्रचार में सबसे आगे हैं। हम सब मिलकर पार्टी को मजबूत करेंगे और लोगों के कल्याण और संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम करेंगे।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

शासन-प्रशासन निष्क्रिय

प्रतापगढ़ में दलित समाज की युवती की मौत पर शासन-प्रशासन की निष्क्रियता और उदासीनता से भीड़ के आक्रोशित होने के लिए भाजपा सरकार स्वयं जिम्मेदार है। शासन-प्रशासन 'पीडीए समाज' में किसी की मौत होने पर भी चुप्पी साधकर बैठ जाता है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

सीमाओं को आगे बढ़ाएं

सफलता का मतलब नियमों का पालन करना नहीं है। इसका मतलब है उन्हें फिर से लिखना। अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाएँ, तेज़ी से आगे बढ़ें और हमेशा चादर से ज़्यादा पैर फैलाएं!

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

समय मन की रचना

जितना अधिक आप क्वांटम विज्ञान और रहस्यवाद का अध्ययन करते हैं, उतना ही आपको एहसास होता है कि कुछ भी शुरू नहीं हुआ और कुछ भी समाप्त नहीं हुआ। समय मानव मन की रचना है। इसलिए सबसे अच्छी कहानियाँ अंत का सुझाव देती हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

ऑस्ट्रेलिया में तीन मई को होगा चुनाव

ऑस्ट्रेलिया में तीन मई को आम चुनाव के लिए मतदान होगा जिसमें बढ़ती महंगाई और आवास की कमी मुख्य चुनावी मुद्दे हो सकते हैं। देश के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस की वामपंथी 'लेबर पार्टी' लगातार दूसरी बार सरकार बनाने की कोशिश कर रही हैं। अल्बानीज चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने के लिए शुक्रवार को गवर्नर जनरल सैम मोस्टिन के आधिकारिक आवास पर गए और उन्होंने बाद में संसद भवन में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान चुनाव की तारीख की घोषणा की। अल्बानीज ने कहा, ''हमारी सरकार ने वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई तरीका चुना है: भविष्य के लिए निर्माण करते हुए जीवनयापन की लागत के दबाव से जूझ रहे लोगों की मदद करने के तरीका।'' कई विश्लेषकों ने विपक्षी नेता पीटर डटन की 'लिबरल पार्टी' के नेतृत्व वाले रूढ़िवादी गठबंधन के चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना जताई है। अल्बानीस के सत्ता में आने के बाद से ऑस्ट्रेलिया में जीवनयापन की लागत में वृद्धि हुई है। पिछले चुनाव के बाद से ब्याज दरों में 12 बार बढ़ोतरी की गई है।

ऑफ बीट

स्टेम सेल से मानव भ्रूण बनाने पर शोध

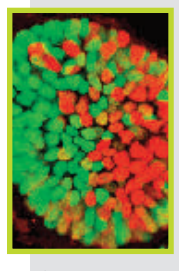

कृत्रिम मानव भ्रूण – जिन्हें भ्रूण शरीर, भ्रूण जैसी संरचनाएं या भ्रूण मॉडल भी कहा जाता है – 'प्राकृतिक मानव भ्रूण' के विकास की नकल करते हैं, जो निषेचन द्वारा निर्मित होते हैं। सिंथेटिक मानव भ्रूण में 'कोशिकाएं शामिल होती हैं जो आम तौर पर भ्रूण, प्लेसेंटा और जर्दी थैली का निर्माण करती हैं, और रोगाणु कोशिकाओं के अग्रदूत बनने के लिए विकसित होती हैं (जो शुक्राणु और अंडे का निर्माण करेंगी)।' यद्यपि प्राकृतिक मानव भ्रूण से संबंधित अनुसंधान कई देशों में कानूनी है, फिर भी यह विवादास्पद बना हुआ है। कुछ लोगों के लिए, कृत्रिम मानव भ्रूण से जुड़ा शोध कम विवादास्पद है क्योंकि ये भ्रूण 'प्रसवोत्तर चरण के मनुष्यों के बराबर विकसित नहीं हो सकते हैं।' दूसरे शब्दों में, ये भ्रूण अव्यवहार्य हैं और इनसे आगे जाकर किसी का जन्म नहीं हो सकता। इसके अलावा, कुछ का मानना है कि सिंथेटिक मानव भ्रूण का निर्माण 14-दिन की सीमा से परे अनुसंधान की अनुमति देगा जो आमतौर पर प्राकृतिक मानव भ्रूण पर लागू होता है। लेकिन क्या ऐसा होगा? यू.के. कानून मानव भ्रूण के अनुसंधान उपयोग को विकास के 14 दिनों तक सीमित करता है।

राजस्थान हाईकोर्ट में चार नए न्यायाधीशों ने ली पद की शपथ, अब कुल संख्या बढ़कर हुई 38

जोधपुर

राजस्थान हाईकोर्ट में आज आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में अधिवक्ता कोटे से नियुक्त चार नए न्यायाधीशों ने पद की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव ने न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित, सुनील बेनीवाल, आनंद शर्मा और संदीप शाह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन चार नई नियुक्तियों के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई है। गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में कुल 50 न्यायाधीशों के पद स्वीकृत हैं। मुख्य पीठ में आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर न्यायिक प्रणाली को मजबूत करने और लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे की दिशा में नई नियुक्तियों को महत्वपूर्ण कदम बताया गया। गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में इस समय 1.82 लाख आपराधिक मामलों सहित कुल 6.71 लाख से अधिक मुकदमे लंबित हैं। इनमें से लगभग 77 फीसदी मुकदमे एक साल से अधिक पुराने हैं। नए न्यायाधीशों की नियुक्ति से न्याय प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। हालांकि इन नियुक्तियों के बाद अभी भी 12 स्वीकृत पद रिक्त हैं, जिससे बढ़ते मुकदमों को देखते हुए और सुधार की आवश्यकता बनी हुई है। न्यायपालिका से जुड़े लोग उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही अन्य रिक्त पदों पर भी नियुक्तियां की जाएंगी, जिससे न्याय प्रक्रिया और अधिक सुगम हो सकेगी। न्यायाधीशों की संख्या बढ़ने से फैसलों की गति तेज होगी और लंबित मामलों में कमी आएगी।

हनुमानगढ़ में घग्घर नदी की पुल क्षतिग्रस्त, ट्रैफिक डायवर्ट

हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ के जंक्शन-टाउन मार्ग पर स्थित घग्घर नदी पुल की सड़क में गंभीर क्षति सामने आई है। पुल के तीन हिस्सों में से एक हिस्सा भारी वाहनों के लगातार आवाजाही से क्षतिग्रस्त हो गया है। सार्वजनिक निर्माण विभाग और यातायात पुलिस के अधिकारियों ने शुक्रवार को मौके का निरीक्षण किया। सुरक्षा को देखते हुए पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से पर अवरोधक लगाकर आवाजाही रोक दिया गया है। सभी वाहनों को पुल के दूसरे हिस्से से डायवर्ट कर दिया गया है। पीडब्ल्यूडी एक्सईएन अनिल अग्रवाल के अनुसार पुल का मध्य भाग लगभग 60-65 वर्ष पुराना है। पिछले छह महीनों से सतीपुरा चौराहे पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य के कारण भारी वाहनों का यातायात इस मार्ग पर डायवर्ट किया गया था। इससे पुल को नुकसान पहुंचा है। विभाग ने पुल की सेफ्टी ऑडिट के लिए मुख्य अभियंता कार्यालय से स्वीकृति मांगी है। ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। इस बीच, सतीपुरा में टाउन और संगरिया की तरफ जाने वाला रास्ता आंशिक रूप से खोल दिया गया है। यातायात प्रभारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि पुल की जंक्शन साइड में डिवाइडर के बीच नया कट बनाया जाएगा। वाहन चालकों की सुविधा के लिए पांच जालियां भी हटाई जाएंगी।

मनीषा यादव को मिली पीएचडी की डिग्री एक्सीडेंट में माता की हुई थी मौत

कड़ी मेहनत से मिली सफलता

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना उपखंड क्षेत्र के डूमरौली गांव की भांजी मनीषा यादव कठिन परिस्थितियों में पीएचडी की डिग्री हासिल की है।डूमरौली गांव के नर्सिंगकर्मी कृष्ण यादव ने बताया कि नांगलिया गांव की निवासी उनके भांजी मनीष यादव एवं भांजा भावेश कुमार का पालन पोषण एवं पढ़ाई उनके द्वारा करवाई गई। नर्सिंग कर्मी कृष्ण यादव की बहन बिमला देवी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। उस समय दोनों बच्चे छोटे थे। उनके जीजा जी रोहिताश यादव चिकित्सा विभाग में नर्सिंग अधिकारी के पद पर क्षेत्र से बाहर कार्यरत थे उनके लिए बच्चों का पालन पोषण करना व ड्यूटी करना चुनौती हो गया। उस स्थिति में डूमरौली निवासी नर्सिंगकर्मी कृष्ण यादव ने बहन के बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी लेते हुए पालन पोषण एवं पढ़ाई कराई। जिसकी बदौलत उनके भांजी मनीषा यादव हरियाणा के सोनीपत की ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के फाइनेंस एंड बैंकिंग डिपार्टमेंट में लेक्चर के पद पर नियुक्त हुई। लेक्चर के पद पर रहते हुए आईआईटी रुडकी से संभावना सिद्धांत और अधिकतम प्रभाव एक अनुभवजन्य विश्लेषण विषय पर पीएचडी की डिग्री हासिल की। उनका भाई पीजीआई रोहतक में फिलहाल नाक कान गला के सहायक प्रोफेसर पद कार्यरत है।

आसाराम की अंतरिम जमानत बढ़ाएं या नहीं? गुजरात हाई कोर्ट के जजों की अलग-अलग राय, चीफ जस्टिस के पास पहुंची फाइल

जोधपुर

रेपिस्ट आसाराम को मेडिकल ग्राउंड पर मिली 31 मार्च तक की अंतरिम जमानत को आगे बढ़ाना चाहिए या नहीं, इसे लेकर गुजरात हाई कोर्ट के दो जजों की बेंच ने अलग-अलग राय पेश की है. पहले जस्टिस 3 महीने का एक्सटेंशन देने के पक्ष में हैं. वहीं दूसरे जस्टिस अंतिरम जमानत को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं. इस वजह से अब यह फाइल गुजरात के चीफ जस्टिस के पास पहुंच गई है. चीफ जस्टिस से निर्देश मिलने के बाद याचिकाकर्ता को फैसला सुना दिया जाएगा. आसाराम ने गांधीनगर दुष्कर्म केस में 6 महीने की स्थाई जमानत मांगी है. इस केस पर 25 मार्च को गुजरात हाई कोर्ट में सुनवाई हुई थी, और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया गया था. 28 मार्च

को जस्टिस ने फैसला पढ़ा, जिसमें असमंजस की स्थिति बनने पर यह गुजरात के चीफ जस्टिस के पास भेज दिया गया. अगर जमानत अवधि बढ़ती है तो आसाराम को राजस्थान हाई कोर्ट से भी जमानत बढ़वानी होगी. क्योंकि जोधपुर दुष्कर्म केस में भी वो दोषी है और कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई हुई है.आसाराम ने जमानत अवधि बढ़वाने के लिए गुजरात हाई कोर्ट में कई तरह की मेडिकल रिपोर्ट पेश की है. उसने मौलिक अधिकारों का हवाला देते हुए तर्क दिया है कि वह 86 साल का है और दुनिया में बहुत कम लोग 75-80 वर्ष की आयु के बाद कोई इनवेसिव सर्जरी सहन कर पाते हैं. उसने बताया कि भारतीय संविधान के तहत दोषियों के भी अपने अधिकार होते हैं. यदि कोई व्यक्ति अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए इलाज की आवश्यकता महसूस करता है, तो यह अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत आता है. आसाराम ने तर्क दिया कि सिर्फ इसलिए कि आरोप गंभीर हैं और मैं आजीवन कारावास भुगत रहा हूं, इसका मतलब यह नहीं है कि यदि मृत्यु आए तो उसे जल्द लाया जाए. यदि अच्छे इलाज से इसे टाला जा सकता है, जिसकी मुझे आवश्यकता है, तो भारतीय संविधान के तहत दोषियों को भी यह अधिकार प्राप्त है. एम्स जोधपुर की एक रिपोर्ट के अनुसार, आसाराम को कोरोनरी आर्टरी डिजीज है, इसलिए वह "हाई रिस्क श्रेणी" में आता है. इन रिपोर्टों के अनुसार, आसाराम को विशेष नर्सिंग देखभाल, करीबी निगरानी, नियमित रूप से एंडोक्रिनोलॉजिस्ट और नेफ्रोलॉजिस्ट से परामर्श की आवश्यकता है. आसाराम की वकील के मुताबिक, आसाराम की कई मेडिकल जांच की गई हैं और सभी विशेषज्ञों की सलाह और रिपोर्ट में कम से कम एक बात समान है कि यह एक घातक स्थिति है. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आवेदक की स्थिति या स्वास्थ्य बिल्कुल भी ठीक नहीं है.

फाइनेंसरों से परेशान युवक ने बंद फैक्ट्री में लगाया फंदा

भाई बोला- 2 दिन पहले आरोपियों ने घर आकर दी थी जान से मारने की धमकी

बाड़मेर

बाड़मेर में एक युवक ने ब्याज पर रुपए लेकर सवारी टैंपो की मरम्मत करवाई, लेकिन जब ब्याज की रकम चुका नहीं पाया तो सूदखोर वसूली के लिए घर आने लगे। इससे युवक ने बंद पड़ी फैक्ट्री में फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों ने चार जनों पर रुपए को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। घटना बाड़मेर रीको थाना इलाके उतरलाई रोड कलजी के पालिया में बंद पड़ी फैक्ट्री में बीती रात की है। पुलिस ने शुक्रवार को परिजनों की रिपोर्ट पर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जा रही है रीको थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया- बलदेव नगर निवासी वीर सिंह (38) पुत्र हड़वंत सिंह ने गुरुवार की शाम करीब साढ़े 5 बजे उतरलाई रोड पर कलजी के पालिया के पास बंद फैक्ट्री में फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रात में हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद आज शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के चचेरे भाई पंकज सिंह पुत्र सवाई सिंह ने बताया- फाइनेंस करने वाले लक्ष्मण सिंह निवास लक्ष्मी नगर, जालम सिंह, कानसिंह महाबार, भैराराम काफी समय से वीर सिंह को प्रताड़ित कर रहे थे। 2 दिन पहले उन्होंने घर पर आकर धमकियां दी थी। उस समय वीर सिंह घर पर नहीं था। उसके परिवार को वीर सिंह को मारने की धमकियां दी गई। इससे आहत होकर वीर सिंह ने फांसी का फंदा लगा लिया है। मृतक टैंपो ड्राइवर था और सवारियों को लाने- ले जाने का काम करता था। इसके टैंपो से डायरियां बरामद हुई है, जिसमें लेन- देन का हिसाब लिखा है। रीको थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया- शुक्रवार को परिजनों ने रुपए फाइनेंस करने वाले तीन-चार जनों के खिलाफ रिपोर्ट दी है। उनकी रिपोर्ट पर आज दोपहर को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि कितने रुपए का लेन-देन है। फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा चार बच्चे है, जिनमें दो लड़के और दो लड़कियां है। वहीं एक छोटा भाई भी है।

रेप आरोपी ने बचने के लिए जॉइन की जिम

पुलिस को 2 बार चकमा देने के बाद टीम ने किया गिरफ्तार, पूछताछ जारी

बाड़मेर

बालोतरा जिले की पचपदरा पुलिस ने रेप के आरोपी को गिरफ्तार किया है। वांटेड 5 माह में पुलिस को 2 बार चकमा दे चुका है। गिरफ्तारी की डर से गुजरात अहमदाबाद में जिम जॉइन की, दौड़ने की आदत बनाई। जिससे पुलिस के आने पर तेजी से भाग सकें। लेकिन पुलिस ने इस बार सुझबूझ के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया। वांटेड थाने के टॉप-10 आरोपियों में शामिल है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने 12 अक्टूबर 2024 को पचपदरा थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि जीतू पुत्र शंकरराम ने बहला फुसलाकर घर से अपने साथ बालोतरा ले जाकर लूणी नदी इलाके में रात में रेप किया। अगले दिन वापस बस में बैठा दिया। पुलिस ने रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की। पचपदरा थानाधिकारी अमराराम ने बताया- पुलिस टीम ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया। पीड़िता का मेडिकल करवाने के साथ बयान दर्ज करवाए गए। आरोपी घटना के बाद से फरार हो गया। गिरफ्तारी की डर से ठिकाने बदल-बदल कर फरारी काट रहा था। टीम ने तकनीकी और सूचना के आधार पर आरोपी गांव पटाउ से आरोपी जितू उर्फ पाबूराम को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि घटना के बाद वह अपने गांव में छुपकर नहीं रहा, बल्कि पुलिस से बचने के लिए उसने अहमदाबाद, गुजरात का रुख किया। वहां उसने जिम जॉइन किया और रोजना दौड़ने की आदत डाल ली, ताकि अगर पुलिस टीम आए तो वहां से तेज रफ्तार से भाग सके। पुलिस टीम ने पहले 2 बार आरोपी के रहवासी घर पर दबिश दी। लेकिन पुलिस की भनक लगने पर दोनों बार आरोपी भागने में कामयाब रहा। होली के अवसर पर घर आने की सूचना के बाद लगातार उसकी निगरानी की इसके बाद उसे गिरफ्तार किया। कार्रवाई में कॉन्स्टेबल मेघाराम और रूपाराम शामिल रहे।

शेखावाटी यूनिवर्सिटी में पुलिस ने छात्रों को लात-घूंसों से पीटा

सीकर

गर्दन पकड़कर कार्यक्रम से बाहर निकाला

सीकर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी यूनिवर्सिटी के 5वें दीक्षांत समारोह में शुक्रवार को छात्रों ने जमकर हंगामा किया। मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि के मंच पर आते ही छात्रों ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने पहले विरोध कर रहे छात्रों को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन जब छात्र नहीं माने तो पुलिसकर्मियों ने उनके बाल पकड़कर लात-घूंसों से पिटाई की। समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े भी महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि के साथ मौजूद थे। छात्र संगठन का आरोप है कि विश्वविद्यालय के कुलपति आरएसएस का एजेंडा स्थापित करने के लिए संघ से जुड़े लोगों को न केवल बुला रहे हैं, बल्कि उन्हें सम्मानित भी कर रहे हैं। कैलाशानंद गिरि के आश्रम में एपल के दिवंगत सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल ने महाकुंभ के दौरान कल्पवास किया था। स्वामी कैलाशानंद गिरि ने कहा था- एपल की मालकिन की पत्नी लॉरेन पॉवेल ने मुझसे दीक्षा ली और अपना नाम कमला रखा। SFI के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष जाखड़ ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा- पिछले चारों दीक्षांत समारोहों में एक परंपरा रही है। इसमें केवल शिक्षाविदों और राज्यपाल को ही मुख्य अतिथि बनाया जाता था। लेकिन इस बार विश्वविद्यालय के कुलपति ने इस परंपरा को तोड़ते हुए आरएसएस का एजेंडा स्थापित करने के लिए संघ से जुड़े लोगों को बुलाया है। छात्र संगठन ने मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि की योग्यता पर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने तर्क दिया कि जो व्यक्ति सांसारिक जीवन त्याग चुका हो और जिसका जीवन अब केवल ध्यान और अध्यात्म तक सीमित हो, उसे शैक्षिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनाना कहां तक उचित है। छात्र नेताओं ने यह भी पूछा कि कैलाशानंद गिरि का शिक्षा और समाज में क्या विशेष योगदान रहा है और आखिर किन मापदंडों के आधार पर उन्हें मुख्य अतिथि चुना गया है। दीक्षांत समारोह में विरोध प्रदर्शन के दौरान एसएफआई के चार प्रमुख छात्र नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए नेताओं में राजू बिजारणीया, महिपाल पूनिया, देवराज हुड्डा और विवेक बेनीवाल शामिल हैं। छात्र संगठन ने इन सभी की तत्काल रिहाई की मांग की है। छात्र संगठन स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया ने एक दिन पहले ही महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। विरोध के दौरान छात्रों ने यूनिवर्सिटी परिसर में आरएसएस का पुतला भी फूंका था। छात्र नेताओं ने चेतावनी दे दी थी कि महामंडलेश्वर के आने पर विरोध किया जाएगा। विरोध के बावजूद गुरुवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के साथ निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि मुख्य अतिथि के रूप में आए। इस पर छात्रों ने विरोध जताया। बबीता बाजिया ने बताया- मास्टर ऑफ़ आर्ट्स योग 2024 की छात्रा हूं। दीक्षांत समारोह में मुझे स्वर्ण पदक मिला था। राज्यपाल, महामंडलेश्वर और कुलपति ने मंच पर मुझे मेडल दिया, लेकिन वह किसी दूसरे का था। मंच से नीचे आते ही मुझसे वह वापस ले लिया गया। मुझे कहा गया कि मेरा मेडल और सर्टिफिकेट तैयार ही नहीं किया गया है।।

एनसीआर रेलयात्री समिति खेरली की हुई बैठक

बैठक में जनहित के विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा लिए प्रस्ताव

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर। एनसीआर रेलयात्री समिति खेरली बैठक गौरव पैलेस में अध्यक्ष लखमी चंद कंसल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। अध्यक्ष कंसल ने बताया कि बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें प्रस्ताव संख्या एक रेलवे स्टेशन खेरली पर जो पीतमपुरा चौकी के पास बोरिंग लगी हुई है उसकी मोटर खराब हो गई है उसे मोटर को ठीक करवाने हेतु वरिष्ठ मंडल अभियंता द्वितीय उत्तर मध्य रेलवे आगरा को प्रस्ताव लिखा जाए। प्रस्ताव संख्या 2 रेलवे स्टेशन खेरली के प्लेटफार्म नंबर 1 व 2 पर कोच इंडिकेशन लगवाने की मांग हेतु पत्र लिखा जाए। प्रस्ताव संख्या 3 रेलवे स्टेशन खेरली परिसर में जीआरपी थाना खुलवाने की मांग हेतु एसपी अजमेर व थाना प्रभारी बांदीकुई को पत्र लिखा जाए।
प्रस्ताव संख्या 4 गंगापुर से नई दिल्ली के बीच नई रेलगाड़ी चलाने की मांग जो गंगापुर से लालसोट, दोसा, बांदीकुई, मंडावर, खेरली, नदबई, भरतपुर से मथुरा होते हुए नई दिल्ली को गाड़ी चलाने की मांग हेतु रेल मंत्री व उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा जाए।
रेलवे स्टेशन खेरली परिसर में प्लेटफार्म नंबर 2 की तरफ ग्राउंड में पेड़ पौधे व धूब लगवाने की मांग हेतु पत्र लिखा जाए।
प्रस्ताव संख्या 6 रेलवे स्टेशन खेरली में निम्न गाड़ियों का ठहराव की मांग करने पर विचार किया एक गाड़ी बरेली ऋषिकेश को कोरोना कॉल से बंद हो गई थी उसे पुनः चालू करवाने का प्रस्ताव भेजा जाए। गाड़ी संख्या 12547 व 48 आगरा से साबरमती का ठहराव खेड़ली स्टेशन पर करवाने की मांग की जाए।, गाड़ी संख्या 12307 - 08 जोधपुर हावड़ा का ठहराव करवाने हेतु पत्र लिखा जाए। गाड़ी संख्या 64619 - 20 बांदीकुई ईदगाह को जयपुर तक बढ़ाने के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा जाए। इस मौके पर धर्म सिंह मीणा महामंत्री, लक्ष्मी नारायण गोयल, महेश चंद मौर्य, बनवारी लाल शर्मा, महेश चंद्र गुप्ता, मान प्रकाश जिन्दल, अनिल कुमार जैन, रामावतार खंडेलवाल, मोहन सिंह नरूका, मनोहर लाल गुप्ता, धीरज जैन, डॉक्टर अनूप राय, प्रदीप अवस्थी, मुकेश चंद, गुड्डू आदि मौजूद थे।

48 लाख की ठगी में बदली फेसबुक की दोस्ती, कुचामन पुलिस ने तीन को पकड़ा

नागौर

कुचामन में एक व्यापारी को फेसबुक पर अंजान महिला से दोस्ती करना महंगा पड़ गया, इस दोस्ती ने उसे 48 लाख की ठगी का शिकार बना दिया। हालांकि कुचामन पुलिस की सतर्कता से ठगों के मंसूबे ज्यादा दिन तक कामयाब नहीं रहे। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी महिला और उसका साथी अभी भी फरार हैं। कुचामन थानाधिकारी सतपाल सिंह सिहाग ने बताया कि स्थानीय व्यापारी महेश रामचंद्रका को कुछ महीने पहले फेसबुक पर अमुक्ता चंद्रा नाम की एक महिला से फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली। इसके बाद उनके बीच धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ी और बातचीत व्यापार तक पहुंच गई। महिला ने व्यापारी को कम कीमत पर लोहे के सरिए, ईंटें और अन्य निर्माण सामग्री दिलवाने का झांसा दिया। आकर्षक और सस्ती डील के लालच में आकर व्यापारी ने महिला द्वारा बताए गए अलग-अलग बैंक खातों में कुल 48 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। कुछ दिनों बाद जब महिला ने और पैसों की मांग की तो व्यापारी को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद उसने 10 मार्च को कुचामन थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही कुचामन पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की। थाना प्रभारी सतपाल सिंह सिहाग के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसमें हेड कांस्टेबल रामदेव पुरी, गजेंद्र सिंह, महिला कांस्टेबल नंद कंवर और साइबर एक्सपर्ट ताराचंद शामिल थे। पुलिस जांच में पता चला कि व्यापारी से ठगे गए 27 लाख रुपये पहले वंदना पीआर और श्रीजीत आर नायर के खातों में भेजे गए, फिर वहां से फेडरल बैंक के एक खाते में ट्रांसफर कर चेक के जरिए निकाले गए। इस आधार पर पुलिस ने केरल के कोझिकोड से श्रीजीत आर नायर, मिथुन टीपी और वंदना पीआर को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि इस ठगी की मास्टरमाइंड महिला और उसका एक साथी अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। कुचामन पुलिस दोनों की तलाश में जुटी हुई है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है। थाना प्रभारी सतपाल सिंह सिहाग ने जानकारी देते हुए बताया कि यह एक सुनियोजित साइबर ठगी का मामला है, जहां सोशल मीडिया के जरिए पहले विश्वास जीता गया और फिर लाखों की ठगी की गई। हमारी टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी की तलाश जारी है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि अंजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से पहले सतर्क रहें। ऑनलाइन बड़े लेन-देन करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल करें और शक होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान दोस्ती से पहले सावधान रहें, क्योंकि एक क्लिक लाखों के नुकसान तक पहुंचा सकती है।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत सुशासन समारोह आयोजित शनिवार को युवा एवं रोजगार उत्सव का होगा आयोजन

प्रभारी मंत्री डीग श्री सुरेश सिंह रावत ने कार्यक्रम में उपस्थित आमजन एवं अधिकारियों को विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ दिलाई

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत शुक्रवार को विकास एवं सुशासन उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में चित्रकूट धाम स्टेडियम, भीलवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से सीधा प्रसारण मास्टर आदित्येंद्र जी राजकीय महाविद्यालय डीग के सभागार में किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जल संसाधन एवं जल संसाधन (आयोजना) मंत्री एवं प्रभारी मंत्री डीग-भरतपुर श्री सुरेश सिंह रावत, विधायक डीग-कुम्हेर डॉ शैलेश सिंह, नगर परिषद चेयरमैन निरंजन टकसालिया, जिला कलक्टर उत्सव कौशल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर देवी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अखिलेश शर्मा, अतिरिक्त मुख्य

कार्यकारी अधिकारी मोहन सिंह, नगर परिषद आयुक्त कुलदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी, आमजन एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री डीग श्री सुरेश सिंह रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि विभिन्न वर्गों को लाभान्वित करने, योजनाओं के विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने, योजनाओं का आमजन तक सीधा लाभ पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप इस वर्ष का राजस्थान दिवस साप्ताहिक समारोह के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं आमजन को शपथ दिलवाई गई।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने निर्धारित प्रारूप अनुसार राजस्थान की महान परंपराओं का सम्मान एवं निर्वहन करते हुए राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदार बनने की शपथ ली। प्रभारी मंत्री ने सभी को राजस्थान दिवस की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी।

यह दिवस हमारे सौर्य, बलिदान और अपने गौरवशाली इतिहास को याद करने का है- प्रभारी मंत्री

इस दौरान आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने राजवाड़ों का विलय किया और राजस्थान का वर्तमान स्वरूप हमारे सामने हैं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने राजस्थान दिवस चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर साप्ताहिक कार्यक्रमों के तहत 25 मार्च को बाड़मेर में महिला सम्मेलन, 26 मार्च को बीकानेर में किसान सम्मेलन, 27 मार्च को भरतपुर में अंत्योदय कल्याण समारोह और आज भीलवाड़ा में सुशासन सप्ताह मना रहे हैं। वहीं कल कोटा में युवा एवं रोजगार महोत्सव तथा जयपुर में निवेश उत्सव मनाया जाएगा। यह दिवस हमारे सौर्य, बलिदान और अपने गौरवशाली इतिहास को याद करने का है। उन्होंने कहा कि समाज ने शासन को जो दायित्व सौंप हैं उनका शासन सही प्रकार से निभाएं। ऐसी व्यवस्थाएं हो, जिसमें लोगों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयां दूर हों। समय पर न्याय मिले। व्यापारिक गतिविधियों में बाधाएं दूर हों। आधुनिक अर्थ में ईईज ऑफ लिविंग, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज आफ जस्टिस ही सुशासन है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने गरीबी हटाओ के बड़े-बड़े नारे जरूर लगे परंतु जमीन पर कुछ काम नहीं हुआ। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार जनता के सपनों को पूरा करने में दिन-रात लगी हुई है।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से हुआ सीधा प्रसारण

इस अवसर पर भीलवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। विकास एवं सुशासन उत्सव में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने लगभग 10000 करोड रुपए के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया साथ ही राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना, सभी जिलों की पंच गौरव पुस्तिका एवं ई-उपचार एप का शुभारंभ एवं विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निकायों का सशक्तिकरण, हरित अरावली विकास परियोजना, फायर एनओसी प्रक्रिया का सरलीकरण, नए जिलों में डीएमएफटी का गठन, प्रातः 8:00 बजे से रात्रि 8:00 तक सप्ताह में 2 दिन रजिस्ट्री तथा राशन दुकानों में अन्नपूर्णा भंडार के संबंध में दिशा निर्देश भी जारी किए।

महिलाओं के सम्मान के लिए बनाए 12 करोड़ शौचालय

सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन, महिलाओं के सम्मान के लिए 12 करोड़ शौचालय, गरीबों के लिए 4 करोड़ 60 लाख से ज्यादा मकान, प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना से लोगों

कलेक्ट्रेट अधिकारियों और कर्मचारियों ने राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदार बनने की ली शपथ

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग,। राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर डीग में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिला कलक्टर उत्सव कौशल द्वारा शपथ दिलवाई गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने निर्धारित प्रारूप अनुसार राजस्थान की महान परंपराओं का सम्मान एवं निर्वहन करते हुए राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदार बनने की शपथ ली। उल्लेखनीय है कि राजस्थान दिवस समारोह के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा नव संवत् चेत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान दिवस के सप्ताह-पर्यंत आयोजन के रूप में मनाने की घोषणा की गई है।

रेवाना स्कूल में सी एस आर योजना के तहत विद्यालय में नवनिर्मित रसोई घर का किया लोकार्पण

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना के जापानी जोन स्थित कम्पनी नीमराना स्टील सर्विस सेंटर इंडिया प्रा.लि.ने अपने सीएसआर परियोजना के तहत शनिवार को शहीद मुरारी लाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रैवाना में नव निर्मित रसोई घर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्कूल व ग्रामीणों की तरफ से कम्पनी के अधिकारियों ब्रिजेश यादव वरिष्ठ महाप्रबंधक ,सुशांत सेठी सहायक महाप्रबंधक,बिजेंद्र यादव उप प्रबंधक एव राजेश यादव का माला पहनाकर व साफा बांधकर स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को

संबोधित करते हुए ब्रिजेश यादव ने कहा कि नीमराना स्टील ने चालू वित्त वर्ष में अपने सामाजिक सरोकार (सीएसआर) के तहत पुलिस विभाग,प्राथमिक स्वास्थ केंद्र भिटेड़ा,राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मांचल में खेल मैदान की चार दिवारी,राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय माजरी खुर्द में रसोई घर तथा बरामदे का निर्माण कार्य तथा रैवाणा के शहीद मुरारी लाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में रसोई घर तथा बरामदे का निर्माण कार्य करवाया।इस वित्त वर्ष में कम्पनी का सीएसआर बजट लगभग 35 लाख रुपए था जिसको विभिन्न जगहों पर खर्च किया गया। कम्पनी वर्ष 2018से इस क्षेत्र में भौतिक संसाधनों की पूर्ति के लिए क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर कम्पनी की तरफ से सुशांत,विजेंद्र,यश से राजेश, प्रधानाचार्या विजय बाई,उप प्रधानाचार्य चिमनलाल यादव,,ओम प्रकाश यादव,अशोक यादव,बिजेंद्र यादव,राजीव यादव सहित समस्त स्टाफ, रैवाणा सरपंच लीलाराम यादव, पूर्व सरपंच अनिल यादव सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

एनसीआर रेलयात्री समिति खेरली की हुई बैठक बैठक में जनहित के विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा लिए प्रस्ताव

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर। एनसीआर रेलयात्री समिति खेरली बैठक गौरव पैलेस में अध्यक्ष लखमी चंद कंसल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। अध्यक्ष कंसल ने बताया कि बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें प्रस्ताव संख्या एक रेलवे स्टेशन खेरली पर जो पीतमपुरा चौकी के पास बोरिंग लगी हुई है उसकी मोटर खराब हो गई है उसे मोटर को ठीक करवाने हेतु वरिष्ठ मंडल अभियंता द्वितीय उत्तर मध्य रेलवे आगरा को प्रस्ताव लिखा जाए। प्रस्ताव संख्या 2 रेलवे स्टेशन खेरली के प्लेटफार्म नंबर 1 व 2 पर कोच इंडिकेशन लगवाने की मांग हेतु पत्र लिखा जाए। प्रस्ताव संख्या 3 रेलवे स्टेशन खेरली परिसर में जीआरपी थाना खुलवाने की मांग हेतु एसपी अजमेर व थाना प्रभारी बांदीकुई को पत्र लिखा जाए।

प्रस्ताव संख्या 4 गंगापुर से नई

दिल्ली के बीच नई रेलगाड़ी चलाने की मांग जो गंगापुर से लालसोट, दोसा, बांदीकुई, मंडावर, खेरली, नदबई, भरतपुर से मथुरा होते हुए नई दिल्ली को गाड़ी चलाने की मांग हेतु रेल मंत्री व उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा जाए।

रेलवे स्टेशन खेरली परिसर में प्लेटफार्म नंबर 2 की तरफ ग्राउंड में पेड़ पौधे व धूब लगवाने की मांग हेतु पत्र लिखा जाए।

प्रस्ताव संख्या 6 रेलवे स्टेशन खेरली में निम्न गाड़ियों का ठहराव की मांग करने पर विचार किया एक गाड़ी बरेली ऋषिकेश को कोरोना कॉल से बंद हो गई थी उसे पुनः चालू करवाने का प्रस्ताव भेजा जाए। गाड़ी संख्या 12547 व 48 आगरा से साबरमती का ठहराव खेड़ली स्टेशन पर करवाने की मांग की जाए।, गाड़ी संख्या 12307 - 08 जोधपुर हावड़ा का ठहराव करवाने हेतु पत्र लिखा जाए। गाड़ी संख्या 64619 - 20 बांदीकुई ईदगाह को जयपुर तक बढ़ाने के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा जाए। इस मौके पर धर्म सिंह मीणा महामंत्री, लक्ष्मी नारायण गोयल, महेश चंद मौर्य, बनवारी लाल शर्मा, महेश चंद्र गुप्ता, मान प्रकाश जिन्दल, अनिल कुमार जैन, रामावतार खंडेलवाल, मोहन सिंह नरूका, मनोहर लाल गुप्ता, धीरज जैन, डॉक्टर अनूप राय, प्रदीप अवस्थी, मुकेश चंद, गुड्डु आदि मौजूद थे।

नीमराना प्रशासन ने कायसा गांव में सरकारी जमीन पर बोई हुई 15 बीघा फसल को किया नष्ट एवं रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को हटाया भारी पुलिस जाप्ता रहा मौजूद

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना प्रशासन के द्वारा उपखंड क्षेत्र के कायसा गांव में सरकारी जमीन पर कब्जा कर बोई गई सरसों गेहूं की फसल को शुक्रवार को नष्ट किया है तथा रास्ते पर अतिक्रमण को हटाया गया है।नीमराना अतिरिक्त प्रभार तहसीलदार अभिषेक यादव ने बताया कि कायसा गांव में सरकारी भूमि खसरा नंबर 1793 और 1830 पर करीब 15बीघा ग्रामीणों के द्वारा कब्जा कर अवैध रूप से फसल बोई हुई थी। प्रशासन के द्वारा शुक्रवार को सरसों गेहूं की फसल को नष्ट कर अतिक्रमण मुक्त किया है। वही गांव का रास्ता खसरा नंबर 1779 पर ग्रामीणों के द्वारा कब्जा कर अवरुद्ध किया हुआ था। दोनों मामलों में आज कार्रवाई की गई। सरकारी भूमि पर अवैध रूप से बोई गई फसल पर ट्रैक्टर चलाकर नष्ट किया गया वहीं जेसीबी के द्वारा रास्ते पर किया गया अतिक्रमण को तोड़कर रास्ते को अतिक्रमण मुक्त किया गया। नीमराना डीएसपी सचिन शर्मा का कहना है कि तहसीलदार अभिषेक यादव के द्वारा 26 मार्च को भूमि अधिनियम 91के तहत प्रक्रिया कर अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस जाप्ता मांग की गई थी ।35 आदमियों का पुलिस जाप्ता मौके पर भेज गया और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार अभिषेक यादव नायब तहसीलदार रामनिवास गोठवाल,कानूनगो हाकिम सिंह यादव, हल्का पटवारी, सरपंच भूपसिंह, नीमराना थाना प्रभारी राजेश मीणा सहित भारी पुलिस बल एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहा।

नीमराना पुलिस ने अवैध रूप से पिस्टल रखने के आरोपी को किया गिरफ्तार अवैध पिस्तौल को किया बरामद

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना थाना पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ धर पकड़ अभियान की कार्रवाई करते हुए शुक्रवार शाम को अवैध रूप से पिस्टल हथियार रखकर घूमने व क्षेत्र में भय पैदा करने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है ।नीमराना थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि अवैध हथियार रखकर घूमने एवं क्षेत्र में भय पैदा करने के आरोप में अंकित(22) पुत्र अजीत सिंह राजपूत निवासी कोलिला सांगा को गिरफ्तार किया है ।गिरफ्तार आरोपी के पास अवैध रूप से पिस्टल को बरामद कर जप्त किया है। पुलिस के द्वारा आगे भी इसी तरीके की कार्रवाई जारी रहेगी।

जी.एल.एम. कृषि महाविद्यालय किशनगढ़ बास में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का हुआ समापन, विद्यार्थियों ने सामूहिक भोज का किया आयोजन

मरुधर विशेष

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. कुमारी आशा ने एनएसएस स्वयंसेवकों को सहभागिता प्रमाण पत्र दे कर किया सम्मानित

विजय सिंह / मोहम्मद शकील किशनगढ़ बास । जी.एल.एम. कृषि महाविद्यालय, मांचा किशनगढ़ बास में आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विशेष शिविर के अंतिम दिन शुक्रवार को विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक भोज (ग्राम भोज) का आयोजन किया गया। 21 मार्च से प्रारंभ हुए इस शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने मांचा गाँव में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया। शिविर के समापन अवसर पर सामाजिक समरसता एवं आपसी भाईचारे के संदेश को बढ़ावा देने हेतु सामूहिक भोज आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक, ग्रामवासी एवं विशिष्ट अतिथियों ने सहभागिता

की।एनएसएस स्वयंसेवकों को मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. कुमारी आशा द्वारा सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। एनएसएस प्रभारी मुकेश कुमार ने घोषणा की कि राजेंद्र शर्मा को 21 मार्च से 28 मार्च तक आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में चुना गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.कुमारी आशा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी सामाजिक सेवा के कार्यों में अग्रसर रहने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं "ना मैं, बल्कि आप" के एनएसएस मूल मंत्र के साथ हुआ।

इस अवसर पर कॉलेज के संकाय सदस्य जगजीवन यादव, सनोज कुमार, दीपक मौर्य, संदीप निगानिया, मुहम्मद आरिफ, धर्मेंद्र कुमार, कन्हैया कुमार ,बच्चूराम सारस्वत, गुरदीप बारी सहित सभी शिक्षकगण एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कांग्रेस का चुनावों मे समर्थन करने वाले अधिकारी सिस्टम मे सेटिंग करकेआज भी सत्ता सुख भोग रहे है जसबीर सैनी

गरीबो क़ो कर रहे हैं परेशान उनकी पहचान करके सरकार करे योगी पैटर्न पर कार्य वाही

मरुधर विशेष

बावल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बीजेपी पार्टी की खिलाफत और कांग्रेस का समर्थन करने वाले अधिकारी आज भी सत्ता की मलाई चाट रहे हैं दस दस साल से एक ही स्टेशन पर जमे हुए और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हीं काम किये जा रहे हैं उन्होंने कहा सिस्टम मे कहा सेटिंग की गई हैं जिससे बीजेपी के जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओ की अनदेखी हो रही हैं अधिकारी पार्टी कार्यकताओ के फोन तक नहीं उठा रहे ऐसे अधिकारियो की पहचान की जा रही हैं जो पार्टी की छवि खराब करने मे लगे हुए हैं गरीबो के काम क़ो जानबूझकर अटकाया जा रहा हैं उन्होंने कहा ऐसे

अधिकारियो क़ो चिन्हित करके कार्यवाही की जायगी जिससे आम लोगो मे सरकार के प्रति विश्वास बढ़े ग्रीवेंस कमेटी के मेंबर व मुख्यमंत्री नायब के हनुमान कहलाने वाले जसवीर सैनी नें झज्जर मे कुआ पूजन कार्यक्रम शामिल होने के दौरान कहा बीजेपी का साथ देने वाले कार्यकर्ता और अधिकारियों को दरकिनार किया जा रहा है उन्होंने बताया कि कांग्रेस का चुनाव में खुलकर समर्थन करने वाले अधिकारी एक ही स्टेशन पर दस दस साल से सत्ता की मलाई खा रहे है पता नहीं कहां सिस्टम मे उन्होंने सेटिंग कर रखी है कि ना उनका तबादला हो पा रहा है ना उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है जसवीर सैनी ने बताया कि ऐसे अधिकारियों को चिन्हित करके मेवात भेजने का काम किया जाएगा गरीब और लोगों के जायज काम भी नहीं किया जा रहे हैं अधिकारियों द्वारा उनको परेशान करने का काम किया जा रहा है उन्होंने बताया कि बीजेपी को यूपी मे योगी पैटर्न की तरह हरियाणा में भी काम करने की जरूरत है सरकार बदल गई लेकिन अधिकारियो की कार्यशैली नहीं बदली हैं

शाहजहांपुर दिल्ली हाईवे पर हरियाणा बॉर्डर के पास पत्थरों से भरे डंपर एवं ट्रेलर में हुई टक्कर

हादसे में डंपर चालक की हुई मौत

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर शाहजहांपुर के पास हरियाणा बॉर्डर के नजदीक दिल्ली रोड पर शुक्रवार सुबह करीब दो वाहनों में टक्कर हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पेट्रोलिंग ड्यूटी इंचार्ज देवेंद्र कुमार ने बताया कि शाहजहांपुर से आगे हरियाणा बॉर्डर के पास दिल्ली रोड पर शुक्रवार सुबह ट्रेलर एवं पत्थरों से भरे डंपर की की टक्कर हो गई। आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से पत्थरों से भरे डंपर घुस गया जिससे डंपर चालक केबिन में फंस गया। हादसे की सूचना पर शाहजहांपुर पुलिस व राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। चालक केबिन में बुरी तरह से फंस गया। हाईवे अथॉरिटी पेट्रोलिंग टीम व पुलिसकर्मियों के द्वारा कड़ी मेहनत कर क्रेन की सहायता से घायल चालक को बाहर निकाला गया। 1033 हाईवे एंबुलेंस के द्वारा घायल को अस्पताल ले जाया गया लेकिन अत्यधिक घायल होने के कारण डॉक्टर के द्वारा डंपर चालक को मृत घोषित कर दिया गया। 1033 हाईवे एंबुलेंस के ड्यूटी इंचार्ज मोनू ने बताया कि मृतक डंपर चालक की पहचान विकास मीणा पुत्र बंसीराम मीणा निवासी शुक्लाबास कोटपूतली के रूप में हुई। मृतक डंपर चालक विकास मीणा का शव शाहजहांपुर सीएचसी के मोर्चरी में रखवाया गया है। शाहजहांपुर थाना प्रभारी मनोहर लाल का कहना है कि मृतक व्यक्ति के बारे में हमारे पास अभी पूरी जानकारी नहीं है कि वह कहां का रहने वाला है। परिजनों के पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

विद्यास्थली शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में उमंग कार्यक्रम के तहत हुए सांस्कृतिक आयोजित

मरुधर विशेष । दिनेश लेखी

कठूमर। विद्यास्थली शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में चार द्विवसीय उमंग कार्यक्रम के अन्तर्गत शुक्रवार को तृतीय दिवस में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्रा निकिता शर्मा समूह ने महिला शिक्षा पर नाटक मचन किया गया, सोनम, रिया, भूमिका आदि छात्राओं ने युगल नृत्य प्रस्तुत किया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत किया गया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व यादव ने प्रतियोगी छात्रों का मनोबल बढाया एवं तृतीय दिवस के समापन पर खेलों के हमारे जीवन में महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया। इस मौके पर अभिलाश शर्मा, छोटेलाल जॉगिड, मानसिंह, प्रमोद, मनोज, सचिन कुलदीप, अनुज मनीष, राजेश परूषराम, मुकुल कटारा, संतोष पंचोली, डॉ.माया मैडम, पूजा शर्मा, सरिता शर्मा, जया खण्डेलवाल, सतेन्द्र कुमार, रामावतार यादव, राजेश जैमन मौजूद थे।

कठूमर में संगम चौधरी ने पंचायत समिति में संभाली प्रधान की कुर्सी

समर्थकों ने प्रधान का जेसीबी से फूल बरसात कर किया भव्य स्वागत

जुलूस के साथ पहुंची पंचायत समिति कार्यालय

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर। पंचायत समिति कठूमर में प्रधान संगम चौधरी ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व कस्बे के जाट धर्मशाला में भारी संख्या में समर्थक एकत्रित हुए और डीजे के साथ जुलूस के रूप में मार्केट होते हुए अहिंसा सर्किल पंहुचे जहाँ जेसीबी से फूलों की बरसात कर समर्थकों ने भारी जोश के साथ प्रधान संगम चौधरी का स्वागत सम्मान किया।

गौरतलब है कि पंचायतीराज विभाग ने 27 फरवरी को एक आदेश जारी कर कठूमर प्रधान संगम चौधरी को अर्रूवा ग्राम पंचायत में सरपंच पद पर रहते हुए पट्टे में अनियमितता बरतने के आरोप में निलम्बित कर दिया था और पंचायत समिति की किसी भी कार्यवाही में भाग लेने पर रोक लगा दी थी।

प्रधान संगम चौधरी ने सरकार के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी और 27 मार्च को इस मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की एकल खंडपीठ के न्यायाधीश महेंद्र कुमार गोयल ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का उदाहरण देते हुए कहा कि संगम चौधरी की ओर से वर्तमान पद पर कोई दोष नहीं है। ऐसे में इस पद से इनके निलंबित करने का कोई कारण नहीं है। इस पर पंचायतीराज विभाग ने इस आदेश को वापस ले लिया। हाइकोर्ट के इस निर्णय के बाद प्रधान संगम चौधरी के समर्थकों ने जुलूस के साथ पंचायत समिति कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर कठूमर पंचायत समिति के कई सरपंच जनप्रतिनिधि एवं समर्थक मौजूद रहे

भैरुवास के ग्रामीणों ने एसडीएम श्याम सुंदर चेतीवाल को सौपा ज्ञापन

अपने गांव को ग्राम पंचायत कालवाडी में यथावत रखने की मांग की

मरुधर विशेष । दिनेश लेखी

कठूमर। उपखंड क्षेत्र के ग्राम भैरुवास के ग्रामीणों ने शुक्रवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंप अपने गांव को ग्राम पंचायत कालवाडी में यथावत रखने की मांग की है। ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में बताया कि हमारा गांव भैरुवास वर्तमान में ग्राम पंचायत पंचायत कालवाडी में स्थित है। लेकिन वर्तमान में पंचायत परिसीमन की चल रही प्रकिया में हमारे गांव को सात किमी दूर पीपलखेडा या अन्य किसी पंचायत में शामिल करने की योजना बनाई जा रही है। जबकि कालवाडी, भैरू वास, नयालीबास , तीनों गांव एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। लेकिन भैरुवास को इनसे अलग करना चाहते हैं। ज्ञापन में बताया गया है कि यदि भैरूवास को संभावित नई पंचायत पीपलखेड़ा में शामिल किया जाएगा तो ग्रामवासियों द्वारा मतदान का बहिष्कार किया जाएगा।

इस मौके पर, हरिकिशन मैनेजर, रामदयाल जांगिड़, हीरालाल मीणा, कालूराम उप सरपंच, प्रकाश मीणा,रेणू मीणा, विक्रम, अजय, मोहर सिंह, रामजीलाल पटेल, कैलाश मेम्बर, छुट्टन मेम्बर, मनीराम पटेल, हंसराज मीणा, मुकेश, महेश मीणा, हरभजन मीणा, आदि मौजूद थे।

आग का कहर : मसारी में किसान की एक बीघा गेहूं की फसल जलकर हुई राख

मरुधर विशेष । दिनेश लेखी

कठूमर। उपखंड क्षेत्र के ग्राम मसारी में शुक्रवार दोपहर को अज्ञात कारणों से आग लगने से चालीस मन गेहूं व तूडा जलकर राख हो गया। बाद में ग्रामीणों व दमकल के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। जानकारी के भरीतल निवासी बहादुर पुत्र टूंडा के एक बीघा खेत के कटे गेहूं पड़े थे, कि अचानक दोपहर तीन बजे किसी चिंगारी से गेहूं में आग लग गई देखते ही देखते आग आग ने रफ्तार पकड़ ली और पूरे खलिहान में पचास हजार रुपए का गेहू व तुड़ा जलकर राख हो गया। इस मौके पर सरपंच गुड्डु शर्मा,हैड कांस्टेबल अमीचंद,पटवारी रणवीर सिंह आदि मौजूद थे।

Marudharhind24 news Private Limited के लिए महावीर प्रिंटर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित, एवं जीवन सिंह पुरा शाम्हा अलवर से प्रकाशित। मो. 9653906665, 7014373732